

त्रयोदशः पाठः

## विमानयानं रचयाम्

राघव! माधव! सीते! ललिते!

विमानयानं रचयाम ।

नीले गगने विपुले विमले

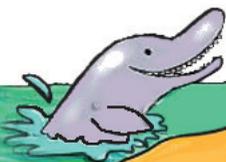
वायुविहारं करवाम ॥1॥

उन्नतवृक्षं तुङ्गं भवनं  
क्रान्त्वाकाशं खलु याम ।  
कृत्वा हिमवन्तं सोपानं  
चन्द्रिलोकं प्रविशाम ॥2॥

शुक्रश्चन्द्रः सूर्यो गुरुरिति  
ग्रहान् हि सर्वान् गणयाम ।  
विविधाः सुन्दरताराश्चित्वा  
मौक्तिकहारं रचयाम ॥3॥

अम्बुदमालाम् अम्बरभूषाम्  
आदायैव हि प्रतियाम ।  
दुःखित-पीडित-कृषिकजनानां  
गृहेषु हर्षं जनयाम ॥4॥

- डॉ. विश्वासः

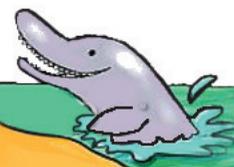




## शब्दार्थः



|                  |                                |                   |
|------------------|--------------------------------|-------------------|
| विमानयानम्       | - हवाई जहाज                    | aeroplane         |
| रचयाम            | - (हम) बनाएँ                   | should make       |
| विपुले           | - विस्तृत (आकाश) में           | expansive         |
| विमले            | - निर्मल (आकाश) में            | clear             |
| वायुविहारम्      | - वायुयात्रा (आकाश में यात्रा) | flying in the sky |
| करवाम            | - (हम) करें                    | should do         |
| उन्नतवृक्षम्     | - ऊँचे वृक्ष को                | high tree         |
| तुङ्गम्          | - ऊँचा                         | high              |
| क्रान्त्वा       | - पार करके                     | crossing over     |
| याम              | - (हम) चलें                    | should go         |
| हिमवन्तं सोपानम् | - बर्फ की सीढ़ी को             | ice-ladder        |
| चन्द्रिलोकम्     | - चन्द्रलोक को                 | moonland          |
| प्रविशाम         | - (हम) प्रवेश करें             | should enter      |
| गणयाम            | - (हम) गिनें                   | should count      |
| चित्वा           | - चुनकर                        | picking up        |
| मौक्तिकहारम्     | - मोतियों के हार को            | pearl neckless    |
| अम्बुदमालाम्     | - बादलों की माला को            | cloud-garland     |
| अम्बरभूषाम्      | - आकाश की शोभा को              | beauty of sky     |
| प्रतियाम         | - (हम) लौटें                   | should return     |
| जनयाम            | - (हम) उत्पन्न करें            | should create     |
| आदाय             | - लेकर                         | taking            |





## अभ्यासः



- पाठे दत्तं गीतं सस्वरं गायत।
- कोष्ठकान्तर्गतेषु शब्देषु तृतीया-विभक्तिं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-  
यथा- नभः चन्द्रेण शोभते। (चन्द्र)  
(क) सा ..... जलेन मुखं प्रक्षालयति। (विमल)  
(ख) राघवः ..... विहरति। (विमानयान)  
(ग) कण्ठः ..... शोभते। (मौक्तिकहार)  
(घ) नभः ..... प्रकाशते। (सूर्य)  
(ङ) पर्वतशिखरम् ..... आकर्षकं दृश्यते। (अम्बुदमाला)
- भिन्नवर्गस्य पदं चिनुत-  
यथा- सूर्यः, चन्द्रः, अम्बुदः, शुक्रः।  
(क) पत्राणि, पुष्पाणि, फलानि, मित्राणि।  
(ख) जलचरः, खेचरः, भूचरः, निशाचरः।  
(ग) गावः, सिंहाः, कच्छपाः, गजाः।  
(घ) मयूराः, चटकाः, शुकाः, मण्डूकाः।  
(ङ) पुस्तकालयः, श्यामपट्टः, प्राचार्यः, सौचिकः।  
(च) लेखनी, पुस्तिका, अध्यापिका, अजा।
- प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-  
(क) के वायुयानं रचयन्ति?  
(ख) वायुयानं कं-कं क्रान्त्वा उपरि गच्छति?  
(ग) वयं कीदृशं सोपानं रचयाम?  
(घ) वयं कस्मिन् लोके प्रविशाम?

### भिन्नवर्गः

अम्बुदः

.....

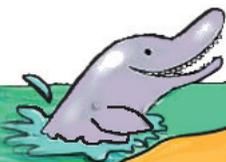
.....

.....

.....

.....

.....





(ङ) आकाशे काः चित्वा मौक्तिकहारं रचयाम?

(च) केषां गृहेषु हर्षं जनयाम?

### 5. विलोमपदानि योजयत-

|         |            |
|---------|------------|
| उन्नतः  | पृथिव्याम् |
| गगने    | असुन्दरः   |
| सुन्दरः | अवनतः      |
| चित्वा  | शोकः       |
| दुःखी   | विकीर्य    |
| हर्षः   | सुखी       |

### 6. समुचितैः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयत-

| विभक्तिः | एकवचनम्    | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|------------|-----------|----------|
| प्रथमा   | भानुः      | भानू      | .....    |
| द्वितीया | .....      | .....     | गुरून्   |
| तृतीया   | .....      | पशुभ्याम् | .....    |
| चतुर्थी  | साधवे      | .....     | .....    |
| पञ्चमी   | वटोः       | .....     | .....    |
| षष्ठी    | गुरोः      | .....     | .....    |
| सप्तमी   | शिशौ       | .....     | .....    |
| सम्बोधन  | हे विष्णो! | .....     | .....    |

### 7. पर्याय-पदानि योजयत-

|         |         |
|---------|---------|
| गगने    | जलदः    |
| विमले   | निशाकरः |
| चन्द्रः | आकाशे   |
| सूर्यः  | निर्मले |
| अम्बुदः | दिवाकरः |

